(SHRIMATI SUSHILA ROHATGI): (a) and (b) The Information about projects under construction in Punjab is given in the attached statement (*See* below).

(c) The Sutlej Yamuna Link Hydro Electric Project (HEP), Shahpur Kandi HEP, Ropar Thermal Power Project (Stage III) and Bhatinda (Gurunanak) TPP Stage III have been identified for taking advance action during the Seventh Plan to yield benefits in the Eighth Plan period.

(d) and (e) Information is being collected and will be laid on the Table of the House.

Statement

Details of Power projects under construction in Punjab

S. No.	Name of the Scheme	Capacity (MW)	Likely Commissioning Schedule
1	Mukerian H.E.P.	162	1989-90
2	Roper TPS St. II	420	12/88
3	UBDC H.E.P. St. II	45	1990-91
4	Thein Dam H.E.P.	600	1993-94
5	Micro Hydels	84.6	1989-90

कोयला खानों के विकास के लिए आयातित प्रौद्योगिकी

3493. **श्री रशीद मसूद** : क्या ऊर्जा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या देश में इस्पात परियोजनाओं के लिये कोयले की बढ़ती हुई मांग को ध्यान में रखते हुये, कोयला खानों तथा वाशरीज को विकसित करने के लिये आयातित प्रौद्योगिकी और विदेशी मशीनरी का प्रयोग करने का निर्णय किया गया है ;

(ख) यदि हां, तो पिछले तीन वर्षों के दौरान इस सम्बन्ध में कितनी धनराशि खर्च की जा चुकी है ; और

(ग) इस सम्बन्ध में किये गए विभिन्न सुधारात्मक उपायों के परिणामस्वरूप प्राप्त हुई उपलब्धियों का ब्यौरा क्या है ?

ऊर्जा मंत्रालय में कोयला विभाग में राज्य मंत्री (श्री सी० के० जाफर शरीफ) : (क) से (ग) इस्पात उद्योग के लिये अच्छी किस्म के कोयले की बढ़ती हुई मांग को पूरा करने की दृष्टि से, विदेशी तकनीकी सहायता और आयातित मशीनें प्रयोग करने की कुछ उन खानों में आवश्यकता है जहां ऐसी भू-खनन परिस्थितियां हैं । फिलहाल, यू० के० से आयातित लांगवाल विद्युत चालित उपकरण भारत कोकिंग कोल लि० की मूनीडीह खान में लगाया गया है और अभी हाल ही में, सब-लेबल खुदाई की फ्रांस की तकनीक को भारत कोकिंग कोल लि० की कतरास खान में लागू किया गया है । इसके अतिरिक्त, सोवियत रूस की सहायता से पाथरडीह वाशरी के आधुनिकीकरण का कार्य चल रहा है । पूटकी भूमिगत खान और साथ ही वाशरी तथा ब्लाक--II ओपेनकास्ट परियोजना को विश्व बैंक की सहायता से विकसित किया जा रहा है ।

भारत कोकिंग कोल लि० को वर्ष 1986-87 में विदेशी मुद्रा 2.57 करोड़ रुपये और 1987-88 में (जनवरी, 1988 तक) 5.85 करोड़ रुपये दी गयी थी ।

ये सभी परियोजनायें, पूर्ण होने पर इस किस्म के कोयले की कुल उपलब्धि में लगभग 7 मिलियन टन कच्चे प्राइम कोकिंग कोयले का अंशदान करेंगी ।